मुख्य समाचार :–

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिये प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी।
- हरेला पर्व पर उत्तराखंड ने बनाया रिकॉर्ड, एक ही दिन में प्रदेशभर में आठ लाख से अधिक पौधे रोपे गए।
- श्रावण मास का कांवड़ मेला चरम पर; छह दिनों में लगभग एक करोड़ 17 लाख शिवभक्त, हरिद्वार से गंगाजल भरकर अपने गंतव्यों को रवाना हुए।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्रावणी मेले को वर्चुअली किया संबोधित, कहा– श्रावणी मेला, लोक आस्था और परंपराओं का जीवंत उदाहरण।

मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिये प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी है। इस योजना का उद्देश्य फसल विविधिकरण और सतत कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करना, कटाई के बाद भंडारण को बढ़ाना, सिंचाई सुविधाओं में सुधार करना और ऋण की उपलब्धता को सुविधाजनक बनाना है। नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह योजना देश के एक करोड़ सत्तर लाख किसानों की सहायता करेगी।

हरेला

उत्तराखंड में इस वर्ष हरेला पर्व, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी का ऐतिहासिक उत्सव बन गया। पूरे प्रदेश में हरेला पर कल 8 लाख 13 हजार से अधिक पौधे रोपे गए, जो कि किसी एक पर्व के अवसर पर अब तक का सबसे बड़ा वृक्षारोपण प्रयास है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से शुरू ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ''धरती माँ का ऋण चुकाओ'' जैसे जनसंदेश से जोड़ते हुए एक जनआंदोलन का रूप दिया। देहरादून में मुख्यमंत्री ने स्वयं पौधा लगाकर इस अभियान की शुरुआत की और इसे सरकारी कार्यक्रम के बजाय जन–जन की भागीदारी का पर्व बना दिया। प्रदेश के सभी 13 जिलों में गांवों, कस्बों, शहरों और स्कूलों में हजारों स्थानों पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित हुए। स्थानीय प्रशासन, वन विभाग, स्वयंसेवी संगठन, स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, महिला समूह और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पर्व अब केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं रहा, बल्कि सामूहिक चेतना और पर्यावरण संरक्षण का उत्सव बन गया है। पौधों के रूप में रोपे गए बीज हरियाली, उम्मीद और सतत विकास का प्रतीक बनकर एक समृद्ध, हरित उत्तराखंड की नींव रखेंगे।

लोकार्पण

जलागम विभाग, राज्य में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और विश्व बैंक वित्त पोषित परियोजनाओं के माध्यम से हरियाली और जल संरक्षण पर काम कर रहा है। जलागम मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि 'स्प्रिंग एंड रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी (सारा)' के तहत नौलों और धारों के संरक्षण के लिए 'भगीरथ एप' बनाया गया है, जिससे अब तक 5 हजार से अधिक जलस्रोत चिन्हित किए जा चुके हैं। देहरादून के इंदिरानगर स्थित जलागम निदेशालय परिसर में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में सतपाल महाराज ने यह बात कही। उन्होंने जलागम और पंचायतीराज विभाग से मिलकर जलस्रोतों के संरक्षण में सहयोग करने का आह्वान किया ताकि प्रदेश को हरा–भरा बनाया जा सके। कार्यक्रम के दौरान जलागम विभाग की उपलब्धियों पर आधारित पत्रिका 'जलागम दर्पण' का भी लोकार्पण किया गया।

स्वास्थ्य शिविर

देहरादून जिला प्रशासन ने मिसराज पट्टी के आपदाग्रस्त बटोली गांव में स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच कराई और मौके पर ही दवाएं वितरित कीं। यह कदम जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देश पर उठाया गया, जिन्होंने हाल ही में गांव का भ्रमण कर प्रभावितों से मुलाकात की थी। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि प्रशासन हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगा और शासकीय कार्यों के लिए उन्हें गांव से बाहर नहीं जाना पड़ेगा। इसके लिए जरूरी सभी सुविधाएं गांव में ही उपलब्ध कराई जाएंगी। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में ओपीडी सेवा शुरू की, जिसमें ब्लड प्रेशर, शुगर, हीमोग्लोबिन जैसे परीक्षण कर दवाएं दी गईं। क्षेत्र का शेरू खाला मार्ग, जो अतिवृष्टि के कारण क्षतिग्रस्त हो गया था, उसे प्रशासन ने रातोंरात दुरुस्त कर वैकल्पिक रास्ता तैयार कराया। सभी प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर रहने के लिए तीन माह का किराया अग्रिम रूप से प्रदान किया गया। स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए पास में किराये का मकान लेने का सुझाव भी प्रशासन ने दिया, जिससे पढ़ाई बाधित न हो। इसके लिए भी राशि मौके पर ही प्रदान की गई। साथ ही वर्षाकाल के दौरान रास्ता दुरुस्त रखने के लिए क्षेत्र में हर वक्त मशीनरी और मैनपावर तैनात रहेगी।

कांवड़ यात्रा

श्रावण मास के कांवड़ मेले के छह दिनों में अब तक लगभग 1 करोड़ 17 लाख शिवभक्त हरिद्वार से गंगाजल भरकर अपने शिवालयों की ओर रवाना हो चुके हैं। कांवड़ियों की भीड़ से हरिद्वार शिवमय हो गया है और पूरे शहर में उत्सव जैसा माहौल है। रंग–बिरंगी सजी कांवड़ों की झांकियों ने शहर की सड़कों को भक्ति से भर दिया है। कांवड़ मेले के नोडल अधिकारी पुलिस अधीक्षक, शहरी, पंकज गैरोला के अनुसार अब तक लगभग एक करोड़ सत्रह लाख कांवड़िए हरिद्वार से जल लेकर जा चुके हैं। भारी भीड़ के बावजूद जिले में यातायात व्यवस्था सामान्य बनी है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस और एसडीआरएफ लगातार सतर्क है। पुलिस महानिरीक्षक, गढ़वाल, राजीव स्वरूप ने बताया कि कांवड़ यात्रा में कुछ असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है और सीसीटीवी व ड्रोन से मेला क्षेत्र की निगरानी की जा रही है ताकि मेला शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

श्रावणी मेला

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जागेश्वर मंदिर समिति द्वारा अल्मोड़ा में आयोजित श्रावणी मेले 2025 के शुभारंभ अवसर पर वर्चुअल माध्यम से जुड़कर श्रद्धालुओं और आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जागेश्वर धाम, उत्तराखंड की पौराणिक सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है और श्रावणी मेला हमारी लोक आस्था और परंपराओं का जीवंत उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार मानसखंड मंदिर माला मिशन के तहत कुमाऊं के प्रमुख धार्मिक स्थलों के संरक्षण और विकास के लिए काम कर रही है। जागेश्वर मास्टर प्लान के पहले चरण के लिए 146 करोड़ की स्वीकृति दी गई है और दूसरे चरण की परियोजनाएं भी स्वीकृत की जा चुकी हैं। उन्होंने बताया कि अल्मोड़ा जिले में कोसी नदी किनारे 40 किलोमीटर लंबा साइकिल ट्रैक बनाया जा रहा है। शीतलाखेत को ईको टूरिज्म और द्वाराहाट व बिनसर को आध्यात्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

कारवां टॉकीज़

भारतीय सेना द्वारा युवाओं को सेना में भर्ती और राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ''कारवां टॉकीज़– जॉइन इण्डियन आर्मी'' अभियान के तहत हरिद्वार ज़िले के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में दो दिवसीय संवादात्मक कार्यक्रम 15 और 16 जुलाई को आयोजित किए गए। इस दौरान सेना के प्रतिनिधियों ने छात्रों को अग्निवीर भर्ती, नर्सिंग असिस्टेंट, वेटरनरी कोर और अधिकारी स्तर की भर्तियों की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। ऑडियो–विजुअल प्रस्तुतीकरण और व्यक्तिगत संवाद के माध्यम से छात्रों को भर्ती प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया गया। पंजीकरण को आसान बनाने के लिए प्रतिभागियों को क्यू.आर कोड युक्त ब्रोशर और हैंडआउट्स भी वितरित किए गए। सेना ने स्पष्ट किया कि भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष और निःशुल्क है और युवाओं को फर्जी एजेंटों से सावधान रहने की सलाह दी। कार्यक्रम में क्विज़ और शंकानिवारण सत्र जैसे आयोजन हुए, जिनमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समाचार पत्रों की सुर्खिया

उत्तराखंड में लागू समान नागरिक संहिता में संशोधन की तैयारी चल रही है... इस खबर के शीर्षक में हिन्दुस्तान समाचार पत्र लिखता है– एक वर्ष तक करा सकेंगे विवाह पंजीकरण, अभी 6 माह में पंजीकरण का है प्रावधान, समय बढ़ाने की तैयारी।

नंदा देवी पर्वत पर फिर शुरू होगा पर्वतारोहण– इस शीर्षक के साथ अमर उजाला खबर में लिखता है– चार दशक बाद पर्वतारोहण की तैयारी, पर्वतारोहण फाउंडेशन और विभाग बना रहा प्रस्ताव।

रोपवे और कॉरिडोर से जुड़ेगा भगवान कार्तिकेय मंदिर–; दैनिक जागरण का शीर्षक है। समाचार पत्र के अनुसार देश के अलग अलग राज्यों खासकर तमिलनाडु से हर साल बड़ी संख्या में पहुंचते है यहां भक्त।

मौसम की खबर पर हिन्दुस्तान समाचार पत्र लिखता है– देहरादून समेत 5 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी, मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट।